प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर के बीज बने हुए हैं किसानों के आकर्षण का केन्द्र

पंतनगर। 04 मार्च 2020। विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों के स्टालों से खरीफ की विभिन्न फसलों के बीजों की बिक्री हो रही है। मेले के दूसरे दिन आज दोपहर तक प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र, फसल अनुसंधान केन्द्र तथा विश्वविद्यालय फार्म द्वारा लगभग 14 लाख रूपये के विभिन्न खरीफ फसलों के बीजों की बिक्री की गयी। इसके अतिरिक्त उद्यान विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, कृषि वानिकी अनुसंधान केन्द्र, औषधीय एवं संगंध पौध अनुसंधान केन्द्र, पुष्प उत्पादन केन्द्र तथा एटिक के स्टालों से लगभग 2 लाख रूपये के बीज व पौधों की बिक्री की गई। साथ ही प्रकाशन निदेशालय तथा एटिक के स्टाल से लगभग 10 हजार रूपये के प्रकाशनों की बिक्री की गई। इनके अतिरिक्त मेले में लगे निजी क्षेत्र के विभिन्न स्टालों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के बीजों की बिक्री की गयी।

मेले के दौरान शैक्षणिक पशुधन प्रक्षेत्र पर आज संकर बछियों की नीलामी में किसानों ने भाग लिया। विशेष व्याख्यान माला के अंतर्गत डा. डी.बी. सिंह एवं श्री सुमित लखोटिया द्वारा 'पशुपालन' एवं श्री सुरजीत डावर द्वारा 'बीज उत्पादन' विषय पर गांधी हाल में विशेष व्याख्यान दिया गया। तत्पश्चात् गांधी हाल में किसान गोष्ठी में प्रत्येक विषय के वैज्ञानिकों ने प्रतिभागिता कर किसानों की विभिन्न समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। मेले में कल आये किसानों को आज विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों, यथा आदर्श पुष्प विज्ञान केन्द्र, प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, उद्यान अनुसंधान केन्द्र तथा कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र का भ्रमण कराया गया, जबकि कल उन्हें मशरूम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नारमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र, मधुमक्खी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, शैक्षणिक मत्स्य प्रक्षेत्र, शैक्षणिक डेरी फार्म, शैक्षणिक कुक्कुट फार्म तथा बीज विधायन संयंत्र का भ्रमण कराया गया था, जहां पर किसानों को वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विभिन्न स्थितियों में प्रदर्शन, इत्यादि की जानकारी दी गई। मेले के दूसरे दिन दोपहर तक लगभग 3 हजार किसानों ने अपना पंजीकरण कराया। इसके अतिरिक्त लगभग 2 हजार अपंजीकृत किसानों द्वारा भी मेले का भ्रमण किये जाने का अनुमान है।

बीजों के स्टालों पर विश्वविद्यालय के बीजों की खरीदारी करते किसान।